स्कॉर्पियो और कार की भिड़ंत, तीन की मौत, छह लोग गंभीर घायल

हनुमान बेनीवाल की रैली में जा रही स्कॉर्पियो कार दूसरी कार से भिड़ी

बालोतरा, (निसं)। बाड़मेर जिले के धोरीमन्ना में शनिवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। स्कॉर्पियो और कार की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 6 लोग गंभीर घायल हो गए। दुर्घटना के बाद हाईवे पर जाम लग गया। राहगीरों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को धोरीमन्ना अस्पताल पहुंचाया। यह हादसा धोरीमन्ना थाना क्षेत्र के बाड़मेर-अहमदाबाद नेशनल हाईवे 68 पर लव-कुश कॉलेज के पास शुक्रवार दोपहर करीब चार बजे हुआ।

जानकारी के अनुसार आरएलपी सुप्रीमों एवं सांसद हनुमान बेनीवाल ने शनिवार को बाड़मेर के धोरीमन्ना में बजरी माफियाओं के खिलाफ हल्ला बोल रैली आयोजित की है। इस रैली में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में हनुमान बेनीवाल समर्थक धोरीमन्ना पहुंच रहे हैं। इसी दौरान एक समर्थक की तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की सामने से आ रही कार से भिड़ंत हो गई। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक युवक ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर के बाद दोनों वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। राहगीरों ने घायलों को बड़ी मुश्किल से वाहनों से बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल रवाना किया। फिलहाल, मृतकों के शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात शुरू करवाया।

सड़क हादसे में दोनों कारें क्षतिग्रस्त हो गई।

- हादसा इतना भीषण था कि टक्कर के बाद दोनों वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए
- सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को धोरीमन्ना अस्पताल पहुंचाया

आरएलपी की रैली में शामिल होने जा रहे थे कार्यकर्ता बालोतरा एएसपी सुभाषचंद्र खोजा ने बताया कि ब्लैक स्कार्पियों व कार के बीच भिड़ंत हुई है। इसमें तीन लोगों की मौत हुई है। वहीं, दस लोग घायल हुए है। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हुई है। वहीं प्रारंभिक जानकारी मिली है कि आरएलपी रैली में शामिल होने के लिए लोग जा रहे थे। मृतकों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। उसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई शवों को परिजनों को सुपुर्द किया जाएगा।

पुलिस के अनुसार कार के अंदर पांच लोग सवार थे। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं, स्कार्पियो में आठ लोग सवार थे। कार सवार दो घायल हुए हैं। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल रेफर कर दिया है।

कोटा में नीट की तैयारी कर रही बिहार की छात्रा की संदिग्ध मौत

इसी साल जनवरी में कोटा आई थी छात्रा

कोटा (निस)। शहर के विज्ञान नगर थाना इलाके में 17 वर्षीय कोचिंग छात्रा की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। छात्रा ने अचानक से खून की उल्टियां करना शुरू कर दिया था। जिसके बाद उसकी रूममेट उसे लेकर निजी अस्पताल गई थी। जहां से एमबीएस अस्पताल भेज दिया गया।

एमबीएस में चिकित्सकों ने छात्रा को मृत घोषित कर दिया। छात्रा मूलतः बिहार जिले के मुजफ्फरपुर जिले के सरैया थाना के बकरा गांव निवासी थी। वह कोटा में रहकर मेडिकल एंट्रेंस परीक्षा नीट यूजी की तैयारी कर रही थी। वह इसी साल जनवरी में कोटा आई थी। छात्रा मुस्कान कोटा में विज्ञान नगर इलाके में इंदिरा कॉलोनी स्थित मकान में किराए से रह रही थी। इस मकान में ही उसके साथ रूम पार्टनर सलोनी भी थी। शुक्रवार

- पुलिस के अनुसार परिजनों ने बालिका की 6 साल की उम्र में ही ओपन हार्ट सर्जरी होने की बात कही है

रात को ही अचानक से उसने उल्टी शुरू की थी। इस संबंध में मृतक छात्रा के पिता देवकांत ब्राह्मण को फोन कर दिया है।

हैड कांस्टेबल सत्येंद्र चावला ने बताया कि छात्रा की मौत के कारण का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ही होगा। इसके बाद ही क्लियर हो पाएगा कि क्या कारण रहे हैं। इसके लिए उसके परिजनों के आने का इंतजार किया जा रहा है। हैड कांस्टेबल चावला ने बताया कि बालिका की मौत की सूचना एमबीएस अस्पताल से ही उन्हें मिली थी। जिसके बाद पीजी मालिक और चिकित्सकों से बातचीत की।

मुस्कान की रूममेट सलोनी से भी बातचीत की गई, जिसमें उसने अचानक से ही तबीयत बिगड़ने का जिक्र किया है। ऐसे में मुस्कान के पिता देवकांत से भी बातचीत की गई है। वे बिहार से कोटा के लिए रवाना हो गए हैं। हैड कांस्टेबल चावला का कहना है कि परिजनों ने बालिका की 6 साल की उम्र में ही ओपन हार्ट सर्जरी होने की बात कही है जिसमें बताया है कि बालिका को बचपन से ही हार्ट प्रॉब्लम थी। साल 2012 में चिकित्सकों की सलाह पर उसका ऑपरेशन करवाया गया था।

खेत में बनी डिग्गी में डूबने से दो भाईयों की मौत

बीदासर, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ढाणी रावली में गोमदाराम के खेत में बनी पानी की डिग्गी में दो सगे भाइयों की पानी में डूबने से मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ढाणी स्वामीयान का राजूराम मेघवाल ढाणी रावली में बने कृषि फार्म बुआई करने के लिये लिया था। शनिवार की सुबह राजूराम के पुत्र मनोज 13 वर्ष तथा रवि 10 वर्ष दोनों पानी की डिग्गी के पास खेलते-खेलते डिग्गी पर चढ़ गये तथा डिग्गी पर चढ़ने के बाद दोनों के पाँव फिसलने से डिग्गी में गिर गये। जिनको चैनाराम माली ने डिग्गी से बाहर निकाला और राजकीय सीएचसी लेकर आये, जहाँ चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतक के ताऊ ओमप्रकाश की लिखित रिपोर्ट पर पुलिस ने मर्ग का मामला दर्ज कर राजकीय सीएचसी में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

बिपरजॉय से प्रभावित पीड़ितों की पीड़ा को लेकर पूनियां ने सी.एम को लिखा पत्र

क्षतितग्रस्त मकान, जनहानि और पशुधन की हानि का जल्द सर्वे करवाकर मुआवजा देने की मांग

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने बाड़मेर, चौहटन, सांचोर का 22 जून को जमीनी दौरा कर शनिवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर पीड़ित लोगों को आर्थिक मुआवजा देने एवं अन्य जरूरी सम्बल देने की मांग की है।

पत्र लिखकर पूनियां ने गहलोत से आग्रह किया कि, बिपरजॉय तूफान से विशेषकर पश्चिमी राजस्थान में जनहानि हुई है और कुछ जगह लोगों की आजीविका का सहारा पशुधन भी काल कवलित हो गया है, पूनियां ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि प्रभावित क्षेत्र के लोगों को हर तरीके की सहायता सहयोग अविलंब प्रदान करें। पूनियां ने गहलोत को पत्र में लिखा कि,जैसा कि आपके संज्ञान में है कि विगत दिनों आए बिपरजॉय तूफान से राजस्थान का विशेषकर पश्चिमी क्षेत्र बाड़मेर, जोधपुर, पाली जालौर, सिरोही तथा अजमेर विशेष रूप से प्रभावित हुए हैं। आपने भी हवाई सर्वेक्षण किया है।

आपके प्रवास के तत्पश्चात् मैनें भी बाडमेर और जालौर के कुछ क्षेत्रों की जमीनी हकीकत जानने के लिए दौरा किया है। पूनियां ने लिखा कि चौहटन कस्बे सहित विरात्रा, भीलों की बस्ती, धनाऊ, गंगासरा तथा बावतलाई एवं जालौर जिले के वेडिया, सूंथडी, खासरवी, केसुरी, सरवाना एवं सांचौर कस्बे के एक दिवसीय प्रवास के दौरान तूफान प्रभावित स्थानों पर पहुंचकर लोगों से मिलकर जो वस्तुस्थिति देखी है वो साझा की है। मैं साथ ही इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि शासन-प्रशासन में आपदा प्रबन्धन तंत्र को और विकसित और सुदृढ़ किया जाए। आज रिमोट सेंसिंग काफी एडवांस हो गयी है, यदि मशीनरी सक्रिय होती तो पूर्वानुमान से काफी तैयारी की जा सकती थी कहीं-न-कही बिपरजॉय की आशंका से पूर्व तैयारी का अभाव एवं शिथिलता दिखी है। पूनियां ने आग्रह किया है कि राजस्थान के आपदा प्रबंधन तंत्र को और ज्यादा पुष्ट करने की आवश्यकता है। प्रदेश के बिपरजॉय प्रभावित क्षेत्रों को हर तरीके की सहायता सहयोग अविलम्ब दिया जाए।

नाबालिग के अपहरण का मामला : विधायक ने डी.एस.पी. से मुलाकात की

24 घंटे में नाबालिग को बरामद करने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

चिड़ावा, (निसं)। श्योपुरा में एक घर में तोड़फोड़, मारपीट और एक नाबालिग को उठा ले जाने के मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर ग्रामीणों का धरना जारी है। सुबह जहां आक्रोशित ग्रामीणों ने हाइवे जाम का फैसला लिया था लेकिन जाम का फ़ैसला एकबारगी टाल दिया गया है।

वहीं ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए विधायक जेपी चंदेलिया, भाजपा के जिला महामंत्री राजेश दहिया सहित अन्य नेता थाने पहुंचे और ग्रामीणों को समझाइश कर पुलिस को थोड़ा समय देने की बात कही। वहीं विधायक चंदेलिया ने डीएसपी शिवरतन गोदारा, पिलानी सीआई रणजीत सेवदा, चिड़ावा

जनप्रतिनिधियों ने पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की।

सीआई इंद्रप्रकाश यादव से अब तक की कार्रवाई को लेकर जानकारी ली। उन्होंने इस दौरान डीएसपी से कहा कि उनके साथ क्षेत्र के जिला परिषद सदस्य,

- एसपी ने भी चिड़ावा पहुंचकर जल्द बरामदगी का आश्वासन दिया

पंचायत समिति सदस्य और सरपंच आएं है। सभी की एक ही मांग है कि जल्द से जल्द बच्ची को अपहरणकर्ताओं से छुड़ाकर लाया जाए और अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की जाए। डीएसपी ने इस दौरान बताया कि पुलिस पूरे जिले के साथ ही पंजाब, हरियाणा, दिल्ली आदि इलाकों में सर्च अभियान चला रही है। आरोपी बार-बार पुलिस को चकमा दे रहे हैं। लेकिन पुलिस ने उनका पीछा नहीं छोड़ा है। जल्द ही आरोपी गिरफ्त में होंगे। उन्होंने लोगों से थोड़ा संयम बनाए रखने की अपील की। वहीं इस मामले को लेकर ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने राज्यपाल के नाम हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा। तहसीलदार कमलदीप पूनिया ने धरना स्थल पर आकर ज्ञापन लिया और राज्यपाल तक ज्ञापन पहुंचाने का आश्वासन दिया।

इधर शाम को एसपी श्याम सिंह भी चिड़ावा थाने पहुंचे और ग्रामीण प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात की और आश्वासन दिया कि पुलिस आरोपियों के निकट है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

भारत-पाक बॉर्डर से 10 करोड़ की हेरोइन बरामद

अनूपगढ़, (निसं)। पाकिस्तान की ओर से एक बार फिर अतंरराष्ट्रीय बॉर्डर पर ड्रोन से हेरोइन तस्करी की कोशिश की गई। श्रीगंगानगर के घड़साना में देर रात को आए ड्रोन पर बीएसएफ जवानों ने 10 से 12 राउंड फायरिंग की। जिसके बाद ड्रोन वापस चला गया। इसके बाद बीएसएफ जवानों ने सर्च अभियान चलाया। सर्च अभियान के दौरान दो पैकेट हेरोइन के मिले।

जानकारी के अनुसार नई मंडी घड़साना के बॉर्डर क्षेत्र 1 बीएसएफ बटालियन की बॉर्डर पोस्ट अशोका और जगदेवा के बीच देर रात एक बजे बीएसएफ के जवानों को ड्रोन की

- बीएसएफ जवानों ने 12 राउंड फायरिंग कर ड्रोन को खदेड़ा

आवाज सुनाई दी। ड्रोन की आवाज सुनाई देते ही बीएसएफ जवानों ने ड्रोन पर 12 राउंड फायर किए और सर्च अभियान चलाया। बीएसएफ के द्वारा सर्च अभियान चलाए जाने पर जवानों को वहां दो पैकेट हेरोइन मिले। जिनका वजन 2 किलो था। हेरोइन की कीमत 10 करोड़ रुपए बताई जा रही है। बीएसएफ ने अभी भी क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया हुआ है।

मासूम बच्चे को मारा पत्थर, मौत

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर जिले में इन दिनों बेलगाम हो चुके पत्थरबाज रात्रि के समय आए दिन राहगीरों व बसों पर पथराव की वारदात को अंजाम देते थे, लेकिन अब शाम होने के बाद ही पत्थरबाज बेलगाम हो जाते हैं। गत दिन जब एक बाइक पर पति-पत्नी और एक 2 साल के बच्चा शादी समारोह से वापस घर लौट रहे थे। इस दौरान बदमाशों ने बाइक पर पति-पत्नी पर पथराव कर दिया, जिससे एक पत्थर बाइक पर आगे बैठे मासूम बच्चे के सिर पर लगा जिससे उसकी मौत हो गई। मांडवा नवाघरा निवासी विक्रम परमार व उसकी पत्नी ओर दो साल बच्चा वरुण अपने साले की शादी समारोह से शिरकत कर बाइक पर घर लौट रहे थे।

गैंगरेप पीड़िता को अस्पताल लाने वाला कार ड्राइवर गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर के एक कस्बे में युवती के साथ गैंगरेप और मर्डर मामले में पुलिस ने उस कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने घटनास्थल से अस्पताल तक पहुंचाया था। पुलिस उसकी भूमिका की जांच कर रही है। माना जा रहा है कि वो भी मुख्य आरोपी दिनेश बिश्नोई का दोस्त है।

जानकारी के अनुसार दलित युवती को 19 जून दोपहर 12 बजे सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। आरोपी दिनेश जिस कार से आया था, उसे राकेश नामक युवक चला रहा था। पुलिस ने राकेश को गुरुवार को ही हिरासत में ले लिया था। ज्यादा दबाव बनने पर उसे शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। राकेश की इस पूरे घटनाक्रम में भूमिका का पता लगाया जा रहा है। राकेश के अलावा ओमप्रकाश, जस्सू और कपिल नामक दो अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है। इन तीनों की भूमिका स्पष्ट होने पर गिरफ्तार किया जाएगा। फिलहाल इन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया है। इसमें एक पर कमरे में सफाई करने और ताला लगाने का आरोप है। जिसकी छानबीन की जा रही है।

पुलिस हिरासत में अब चार लोग हैं। इसमें कपिल, जस्सू, ओमप्रकाश और कॉन्स्टेबल भागीरथ है। इन चारों को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। जस्सू नाई ने उक्त मकान किराए पर ले रखा था, जिसमें ये पूरा घटनाक्रम हुआ। इस पूरे घटनाक्रम में मुख्य अभियुक्त दिनेश बिश्नोई अब तक पुलिस के हाथ नहीं आया है। उसे गिरफ्तार करने के लिए जगह-जगह दबिश दी जा रही है, लेकिन पुलिस को सफलता नहीं मिल रही है। पुलिस ने सात बड़ी टीम बनाई है, जो दिनेश बिश्नोई को ढूंढ रही है। बीकानेर के अलावा राजस्थान के कई हिस्सों में उसकी पड़ताल हो रही है। उसके सभी रिश्तेदारों पर भी नजर रखी जा रही है। शातिर दिनेश बिश्नोई अब तक पुलिस के हाथ नहीं लगा है। आरपीएस स्तर के कई अफसर उसे ढूंढ़ने में लगे हुए हैं लेकिन वो नहीं मिल रहा है।

छात्रवृत्ति घोटाले का पर्दाफाश

सवाई माधोपुर, (निसं)। जिले में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में लाखों की छात्रवृत्ति घोटाले का पुलिस ने पर्दाफाश कर चार आरोपियों को बैनकाब करने में बड़ी सफलता हासिल की है।

पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन ने जानकारी देते हुए बताया कि 17 जून को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की अधिकारी मीना आर्य ने मानटाउन थाने में छात्रवृत्ति घोटाले के अंदेशे को लेकर मुकदमा दर्ज करवाया था। जिस पर पुलिस ने गहनता के साथ तफ्तीश करते हुए 4 आरोपियों को जांच पड़ताल के बाद धर दबोचा। इसमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग का सूचना सहायक ऋषिकेश मीणा, ईमित्र संचालक अजय गुर्जर,

- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में लाखों का छात्रवृत्ति का घोटाला
- पुलिस ने चार आरोपियों को दबोचा

श्याम लाल माली तथा महात्मा ज्योतिबा राव फूले यूनिवर्सिटी का कंप्यूटर ऑपरेटर मुकेश कुमार सैनी शामिल है। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने लगभग 65 लाख रुपए के घोटाले को अंजाम दे दिया। आरोपियों ने 285 एंट्री फर्जी रूप से कर डाली। मामले में पुलिस अब अपनी अग्रिम कार्यवाही को अंजाम देने में जुटी हुई है।

सांभर-फुलेरा जिला की मांग को लेकर महापड़ाव आज

फुलेरा विधानसभा के 200 से अधिक गांवों के लोग शामिल होंगे

सांभरझील, (निसं)। सांभर-फुलेरा को जिला बनाए जाने की मांग को लेकर आम जनता की ओर से मोखमपुरा हाईवे पर रविवार को महापड़ाव में फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के 200 से अधिक गांवों के लोग भाग लेंगे।

फुलेरा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक उम्मीदवार रहे विद्याधर चौधरी, भाजपा जिला देहात के पूर्व अध्यक्ष दीनदयाल कुमावत, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता मानाराम ठोलिया, एडवोकेट कानाराम कुमावत, फुलेरा के पूर्व चेयरमैन मनोज अहूजा सहित अनेक कद्दावर नेताओं ने विधानसभा क्षेत्र की आम जनता, व्यापारिक बंधुओं, सरपंचों, सामाजिक संस्थाओं, किसानों, पंचायत समिति के सदस्यों, सभी 36 कोम के लोगों से रविवार को होने वाले महापड़ाव में शामिल होने का आव्हान करते हुए रैली निकाली।

सांभर के सम्राट पृथ्वीराज चौहान सर्किल से रैली प्रमुख मार्गों से होते हुए

- लोगों से रविवार को होने वाले महापड़ाव में शामिल होने का आव्हान करते हुए रैली निकाली

पुरानी धानमंडी स्थित रामलीला रंगमंच पर सभा में तब्दील हुई। रैली में आसपास गांव से आए हजारों लोगों ने भाग लिया। इस मौके पर विद्याधर चौधरी ने कहा कि, सरकार सांभर फुलेरा को संयुक्त रूप से जिला बनाए जाने की घोषणा करें अथवा इसे जयपुर जिले में यथावत रखा जाए। कुछ लोग इस महापड़ाव को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं उनके नापाक इरादे कभी सफल नहीं होंगे, ऐसे लोग सांभर फुलेरा की जनता में फूट डालने का काम कर रहे हैं और फूट में भी जबरदस्त झूंठ का सहारा लिया जा रहा है।

डीडी कुमावत ने कहा कि सांभर फुलेरा की जनता अब गद्दारों को पहचान चुकी है, जिला बनाओ संघर्ष समिति ने विधानसभा क्षेत्र की जनता के साथ धोखाधड़ी कर सरकार की मुखबिरी का काम किया है, ऐसे लोगों का अब चेहरा उजागर हो गया है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के मानाराम ठोलिया ने कहा कि या तो सांभर फुलेरा जिला बनेगा या फिर जयपुर जिले में ही हम यथावत रहेंगे लेकिन दूदू में किसी भी सूरत में सांभर फुलेरा की जनता शामिल नहीं होगी यह सरकार भी कान खोल कर सुन ले। फुलेरा व्यापार मंडल के अध्यक्ष व पूर्व चेयरमैन मनोज अहूजा ने आम सभा में सार्वजनिक तौर पर कहा कि हमने सांभर फुलेरा जिला बनाओ संघर्ष समिति का खुलकर हर प्रकार से योगदान दिया था लेकिन उन्होंने मुख्यमंत्री के पास जाकर सांभर दूदू जिला का प्रस्ताव रखवा दिया। संघर्ष समिति के लोगों ने हमारे चल रहे आंदोलन को कमजोर करने के लिए जो षड्यंत्र रचा है इसका व्यापार महासंघ की ओर से मैं कड़ी निंदा करता हूं तथा जिला संघर्ष समिति को दिया गया समर्थन हम वापस लेते हैं।

बून्दी में सात जेल प्रहरियों की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती कराया

मांगों को लेकर 21 जून से शुरु हुआ मैस का बहिष्कार शनिवार को भी जारी रहा

अस्पताल में जेल प्रहरी का उपचार शुरु किया।

बून्दी, (निसं)। लंबित मांगों को लेकर जेल प्रहरियों द्वारा किया जा रहा मैस का बहिष्कार शनिवार को चौथे दिन भी जारी रहा। शनिवार को प्रदर्शन के दौरान सात जेल प्रहरियों की तबीयत बिगड़ जाने के बाद उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने वार्ड में भर्ती कर ईलाज प्रारंभ किया।

जानकारी के अनुसार शनिवार को

- वेतन विसंगति दूर करने का आश्वासन पूरा नहीं हुआ

सत्यनारायण, अशोक, कपिल, हरिसिंह, जीतराम, सुमेर सिंह और गब्बर सिंह तबीयत खराब हो गई, जिन्हें साथी कर्मचारी जिला अस्पताल लेकर आए। गौरतलब हैं कि जेल कर्मियों ने जनवरी 2023 में प्रदेश सरकार और जेल कर्मियों के मध्य हुए समझौते को लागू नहीं किए जाने के खिलाफ 21 जून से मैस का बहिष्कार कर रखा है। इनका कहना है कि वर्ष 2017 व जनवरी 2023 में सरकार द्वारा 1998 से चली आ रही वेतन विसंगति दूर करने का आश्वासन अभी तक पूरा नहीं हुआ है। जब तक प्रदेश सरकार समझौता लागू नहीं करेगी तब तक मैस का बहिष्कार जारी रहेगा।

केन्द्रीय कारागृह जोधपुर में अनशन पर बैठे कार्मिक की तबीयत बिगड़ी

जोधपुर, (कासं)। प्रदेशभर की जेलों में प्रहरियों एवं कार्मिकों का प्रदर्शन जारी है। वेतन विसंगति सहित कई मांगों को लेकर जेल के कार्मिक कार्य बहिष्कार के साथ धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। जोधपुर केंद्रीय कारागार परिसर पर धरना प्रदर्शन कर रहे एक कार्मिक रेवतराम की तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाया गया। हालांकि उसकी तबीयत में सुधार बताया गया है।

जानकारी के अनुसार केन्द्रीय कारागृह जोधपुर के समस्त कर्मचारियों द्वारा वेतन विसंगति को लेकर 13 जून से लगाकर 20 जून तक काली पट्टी बांधकर ड्यूटी का निर्वहन किया गया। मांगें नहीं मानने पर 21 जून से लगातार आज चौथे दिन मैस बहिष्कार, भूखे रहकर ड्यूटी निर्वहन कर रहे हैं।

प्रदेश की सरकार की जेल कर्मचारियों की वेतन विसंगति दूर करके राजस्थान पुलिस के समकक्ष करने की सहमति बनी थी। उसी आश्वासन पर जेल कर्मचारियों ने मैस बहिष्कार हड़ताल को समाप्त कर दिया था। मगर परिणामस्वरूप आज तक कोई आदेश नहीं हुआ जिससे जेल कर्मचारियों में रोष है की सरकार वादा करके भूल गई है। जोधपुर केंद्रीय कारागार पर आज सुबह कार्मिक रेवतरात की अचानक से तबीयत बिगड़ने पर एंबुलैंस 108 की मदद से अस्पताल भेजा गया। उसकी हालत में अब सुधार बताया गया है।